

शिविर में प्रस्तुत हुई/पक्षकारान
वादी एवं प्रतिवादी सहमत नहीं हैं एवं प्रकरण
इस स्टेज पर निगमयोग्य नहीं है। अतः पत्रावली
दिनांक ... 1/8/17 को न्यायालय
हाजा में अप्रिम सुनवाई के लिए प्रस्तुत हो।

S.D.O. देसूरी

1-8-2017

वकील वादी उपर!

प्रतिवादी के वकील उपर!

वकीलवादी/प्रतिवादी के
सुना गया / पत्रावली एवं उपलब्ध-
रेकार्ड का इन्वोल्वेकन किया गया।
वादीगण ने वाद अन्तर्गत धारा
88-89-188-92(A) प्र.त. Act प्रस्तुत
पर निवेदन किया कि आज
प्यारोराव में स्थित कृषि भूमि खण्ड
(पुराने) 196, 197 व 198, ~~खण्ड~~ 201, 202,
कुल खण्ड 19 कीया। निम्ना उक्ति



केना पुत्र इदा मेघवाल (गंभी) के
दर्ज थी। केना के पतन
के बाद उसके वारिस भगा
पुत्र केना हुका गया भगा के देहात
के बाद वादीगण वारिसान वादीगण
इति पर वाकिल रहे हैं। वनीन
शु-प्रबंध कार्यवाही के बाद वाकिल

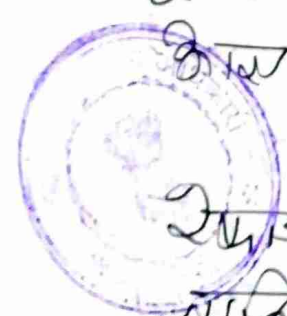
उपखण्ड अधिकारी
(पिन) देसूरी (पाली)

P.T.O.

शुद्धि के नये खण्डों 885, 886,
895, 897, 898, 901, 902,
903, कुल रकम 3=03 हेक्टर

कायम हुवे हैं। जिस पर
वादीगण काबिजा हैं।
वादीगण अनुष्ठानि के सदस्य
हैं तथा प्रतिवादीगण स्वर्ण
जाति के सदस्य हैं। वादग्रस्त

शुद्धि का दस्तावेज धारा 42(B)
R.A.A. के अनुसार प्रतिकारियों
को नहीं हो सकता है। परन्तु
प्रतिकारी सं 1 ने कालो-वाल
वादग्रस्त शुद्धि मिलाकर का स्वर्ण
के नाम दर्ज करवा दी जो जमान
शून्य एवं क्वैथ-गैर है वादग्रस्त
शुद्धि के जमानेदारी कोषणा एवं एचडी
कोषणित का निवेदन किया।



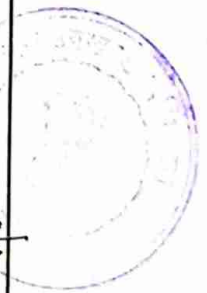
हमने पचावली एवं खण्ड
शुद्धि का डिक्लेयर किया। यह
जाहिर है कि वादग्रस्त शुद्धि
मौजा चानोरव के जल खण्ड
198, 201, 202 रकम 19 बीघा शुद्धि
केना पुग इदा मांठी के नाम बलौर
खानेदारी दर्ज थी। वादीगण स्व.

ख
म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामिल
में जारी हुए

मजाराह पुज केजा के वतरिस्तान है।
 एवं केजा पुज इफा मांवी द्वारा
 पारित वादग्रस्त शक्ति जाल एवं
 198, 201, 202 खेबा 19 वीं प्या
 1 बिल्दा शक्ति प्रतिवादी लियो-।
 स्वप्नी सुलाल विभापर के जाल
 जरिफे नायका सारवा 931 दिनांक
 23.6.71 के राजस्व रेकार्ड में
 दर्ज की गई। उक्त नायका लियो
 931 तहसीलदार, देहरी के आदेश
 क्रमांक: 71/1498 दिनांक 16.4.71
 की पालना में नायकालीन
 पत्रकारों द्वारा दारिक्ल विदा एवं
 तहसीलदार देहरी द्वारा स्वीकृत
 विदा। उक्त नायका किस प्रकार
 एवं किस आदेश से विधि-
 विरुद्ध दारिक्ल विदा जाया, वादी
 ने अपने वाद-पुज में कोई
 विवेचन नही विदा अपवान
 ही तहसीलदार के उक्त आदेश
 को वादी एवं उसके पिला/काकी
 मजाराह एवं केजा द्वारा ही पुर्णतः
 दी गई है। ऐसी स्थिति में

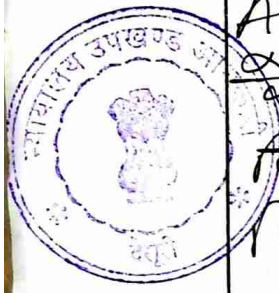


धिकारी
(नी)

तारीख
हम
...

वादीगण द्वारा प्रस्तुत वाद
इस स्तर पर परियोजना पर
नहीं है।

जहां नव नॉक सल्वो 93
के द्वारा किबु जाति का इति
स्वर्ण जाति के नाम दर्ज की गई
हमारी राय में विधिवत तार
प्रतीत नहीं है। कल लडली...
देहरी का निर्देश दिए जाने
है कि उक्त नॉक सल्वो
93 की जहना से जांच कर
हवं चारा 42(B) R.T. Act
का उल्लंघन पाया जाने पर
उक्त नॉक सल्वो 93 को निरस्त
करवाने के लिए चारा 82 R.L.
Act के तहत जिला कलेक्टर को
को रेफरेंस की कार्यवाही करे
निर्दिष्ट की प्रति लडं देहरी का
मिशन है।



इस स्तर पर वादीगण
का वाद बखत घोषणा (वादीगण
स्वयं विदा जाया है। (जावली) केस
शुभार होकर सल्वो ले कम ही।

(रमेश मेवाड़ा)
380